राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 27 | मुंबई : बुधवार 06 मई 2026 से 12 मई 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

पश्चिम बंगाल जीत के बाद BJP की ताकत बढ़ी:

देश में 17 मुख्यमंत्री, NDA का आंकड़ा 22 तक पहुंचा

नई दिल्ली/कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बड़ी जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी (BJP) की राजनीतिक स्थिति और मजबूत हो गई है। इस जीत के साथ ही देशभर में BJP शासित राज्यों में मुख्यमंत्रियों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इस उपलब्धि के साथ NDA (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) का कुल आंकड़ा भी बढ़कर 22 मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है, जो देश की राजनीति में उसके बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है।

पश्चिम बंगाल में यह जीत खास मानी जा रही है क्योंकि लंबे समय से यहां अलग राजनीतिक दलों का दबदबा रहा है। इस बार के नतीजों को राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जीत से BJP को पूर्वी भारत में मजबूत आधार मिला है, जो आने वाले लोकसभा चुनावों में अहम भूमिका निभा सकता है। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल के नतीजों ने न सिर्फ राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी सियासी समीकरण बदल दिए हैं, जहां BJP और NDA दोनों की ताकत पहले से ज्यादा बढ़ती नजर आ रही है।

"मैं क्यों इस्तीफा दूं?" ममता बनर्जी का बड़ा बयान– हार के बाद बोलीं, 'वोट जबरन छीने गए'

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने परिणामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और चुनाव नतीजों को ''जनादेश नहीं बल्कि साजिश'' बताया। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई और उनकी पार्टी से ''100 से ज्यादा सीटें छीन ली गईं।'' उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए कहा कि यह चुनाव निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने यह भी दावा किया कि मतदाताओं की सूची में हेरफेर, केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका और हिंसा के जरिए चुनाव को प्रभावित किया गया। बनर्जी के अनुसार, उनकी पार्टी असल में जनता से नहीं बल्कि ''सिस्टम'' से हारी है।

हालांकि, आधिकारिक नतीजों में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है, जबकि TMC को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बावजूद ममता बनर्जी ने कहा कि वह कानूनी और राजनीतिक दोनों स्तर पर इस परिणाम को चुनौती देंगी। संवैधानिक रूप से, यदि कोई मुख्यमंत्री बहुमत खो देता है, तो उसे इस्तीफा देना होता है या विधानसभा में बहुमत साबित करना पड़ता है। ऐसे में अब राज्यपाल की भूमिका अहम मानी जा रही है, जो आगे की प्रक्रिया तय करेंगे।

ठाणे में 24 घंटे पानी कटौती: 7 मई दोपहर से सप्लाई बंद... कई इलाकों में असर

ठाणे: ठाणे शहर के कई हिस्सों में 7 मई दोपहर से 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहने वाली है। यह कटौती 7 मई दोपहर 12 बजे से शुरू होकर 8 मई दोपहर तक जारी रहेगी, जिससे हजारों लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। नगर निगम के अनुसार, यह पानी कटौती जरूरी मरम्मत और मेंटेनेंस कार्यों के चलते की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि इन कामों के जरिए जल आपूर्ति प्रणाली को बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। इस दौरान मुंब्रा, दिवा, कळवा, माजिवाड़ा-मनपाड़ा, वागले एस्टेट समेत कई इलाकों में पानी सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी या प्रभावित होगी। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे पहले से पानी स्टोर कर लें और जरूरत के हिसाब से ही इस्तेमाल करें। साथ ही, सप्लाई शुरू होने के बाद कुछ समय तक कम प्रेशर से पानी मिलने की भी संभावना जताई गई है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब गर्मी के कारण पहले से ही पानी की मांग बढ़ी हुई है, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

मुंबई : महाराष्ट्र में नए हाईवे प्रोजेक्ट्स से बढ़ेगी कनेक्टिविटी, नितिन गडकरी ने की समीक्षा

मुंबई: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को महाराष्ट्र में प्रस्तावित नए हाई-स्पीड कॉरिडोर, हाई-डेंसिटी कॉरिडोर और अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कई प्रमुख हाईवे विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। इनमें नागपुर-भंडारा सेक्शन को छह लेन का बनाना, तलोदा-बुरहानपुर सेक्शन को चार लेन करना, दुर्ग-गडचिरोली-मंचेरियल कॉरिडोर, गडचिरोली-कांकिर (रायपुर-विशाखापट्टनम) कॉरिडोर, ग्वालियर-नागपुर कॉरिडोर और नागपुर-हैदराबाद कॉरिडोर शामिल हैं।

इन परियोजनाओं में शिरूर-अहिल्यानगर (चार लेन), अहिल्यानगर-वडाला (चार लेन), वडाला-छत्रपति संभाजीनगर (चार लेन), छत्रपति संभाजीनगर-जालना (चार लेन), जालना-वातुर (चार लेन), नांदेड़-नरसी-देगलूर (चार और दो लेन), जाम-वरोरा (चार लेन), वरोरा-चंद्रपुर-बामनी (चार लेन) और मल्कापुर-चिखली (दो लेन) कॉरिडोर शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि इस समीक्षा का मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन में तेजी लाना है, ताकि क्षेत्र में सड़क संपर्क मजबूत हो और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सके।

पिछले 11 वर्षों में भारत का सड़क नेटवर्क तेजी से बढ़ा है और अब यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया है, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 1,46,560 किलोमीटर तक पहुंच चुकी है। पिछले पांच वर्षों में केंद्र सरकार ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है, जिसमें हर साल औसतन 34,215 लेन-किलोमीटर का निर्माण हुआ है। इससे प्रतिवर्ष करीब 33 करोड़ व्यक्ति-दिवस का रोजगार सृजन हुआ है, जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोजगार शामिल हैं। यह आंकड़े हाल ही में संसद में पेश किए गए थे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सड़क निर्माण में आई इस तेजी के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 2025 में 1,46,560 किलोमीटर हो गया है, जो करीब 61 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। वहीं, परिचालन में आने वाले एक्सेस-कंट्रोल्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे की लंबाई 2014 में केवल 93 किलोमीटर थी, जो 2025 के अंत तक बढ़कर 3,052 किलोमीटर हो गई है।

मुंबई को मिलेगी 11 किमी की सिग्नल-फ्री सड़क: सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड प्रोजेक्ट अंतिम चरण में

मुंबई: मुंबई में ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने वाला सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड प्रोजेक्ट अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण इस 11 किलोमीटर लंबे सिग्नल-फ्री कॉरिडोर को जल्द पूरा करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। हाल ही में इस प्रोजेक्ट में एक अहम उपलब्धि हासिल की गई है, जहां बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और वाकोला के बीच अंतिम संरचनात्मक हिस्से को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। यह कनेक्टिंग हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन पूरे कॉरिडोर को जोड़ने में इसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद मुंबई के पश्चिमी और पूर्वी उपनगरों के बीच यात्रा और अधिक तेज और सुगम हो जाएगी। खासतौर पर सांताक्रूज, वाकोला, कलीना, कुर्ला और चेंबूर जैसे इलाकों में ट्रैफिक दबाव कम होने की उम्मीद है।

यह सिग्नल-फ्री मार्ग बनने से यात्रियों का सफर समय काफी घट सकता है, जिससे रोजाना आने-जाने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। यह प्रोजेक्ट शहर के प्रमुख हाईवे और बिजनेस हब BKC को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। अधिकारियों के मुताबिक, अंतिम चरण का काम पूरा होते ही इस कॉरिडोर को आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसे मुंबई की ट्रैफिक समस्या को कम करने और शहर की इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मुंबई : 175 करोड़ का आर्ट और कल्चरल सेंटर प्रस्तावित

मुंबई : मुंबई के पूर्वी उपनगरों में जल्द ही एक बड़ा आर्ट और कल्चरल सेंटर विकसित किया जा सकता है। यह प्रस्ताव लाल बहादुर शास्त्री (छइर) रोड के किनारे कंजूर वेस्ट क्षेत्र में लगभग 3 एकड़ जमीन पर तैयार करने की योजना के तहत रखा गया है। इस प्रोजेक्ट को महिंद्रा ग्रुप की कंपनी एंथुरियम डेवलपर्स लिमिटेड ने मुंबई महानगरपालिका (इटउ) के कमिश्नर को सौंपा है। प्रस्ताव के अनुसार, मंजूरी मिलने के बाद यह परियोजना महिंद्रा लाइफस्पेस के तहत विकसित की जाएगी, जो ग्रुप की रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास शाखा है। यह सेंटर शहर में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और कला प्रदर्शन के लिए एक आधुनिक मंच के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रोजेक्ट से जुड़े एक व्यक्ति के अनुसार, इस केंद्र का निर्माण चेंबूर स्थित फाइन आर्ट्स सोसाइटी और सायन के शानमुखानंद हॉल की तर्ज पर किया जाएगा, लेकिन इसे और अधिक आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह एक ह्लस्टेट-ऑफ-आर्टह्व सुविधा होगी, जिसमें थिएटर, प्रदर्शनी हॉल और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए अलग-अलग स्पेस उपलब्ध होंगे।

इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 175 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सेंटर को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि इसमें एक बार में 2000 से अधिक लोग बैठकर कार्यक्रमों का आनंद ले सकें। इससे बड़े स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाटकों, संगीत प्रस्तुतियों और कला प्रदर्शनियों का आयोजन संभव हो सकेगा। अधिकारियों के अनुसार, यह परियोजना मुंबई के पूर्वी हिस्से में सांस्कृतिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है। वर्तमान में शहर के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में ऐसे कई सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं, लेकिन पूर्वी उपनगरों में आधुनिक सुविधाओं वाले बड़े ऑडिटोरियम और कला केंद्रों की कमी महसूस की जाती है।

महिंद्रा लाइफस्पेस ने पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में शहरी विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई प्रोजेक्ट विकसित किए हैं। कंपनी का फोकस अब ऐसे प्रोजेक्ट्स पर है जो केवल आवासीय या व्यावसायिक विकास तक सीमित न होकर सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचे को भी मजबूत करें।

फिलहाल यह प्रस्ताव मुंबई महानगरपालिका के विचाराधीन है। कमिश्नर की मंजूरी मिलने के बाद ही परियोजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होगी। यदि इसे स्वीकृति मिलती है, तो यह मुंबई के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण जोड़ साबित हो सकता है। स्थानीय स्तर पर इस प्रस्ताव को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, क्योंकि इससे क्षेत्र में कला और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों को नया मंच मिलने की उम्मीद है।

गोवंडी में मॉनसून से पहले नालों की सफाई में देरी, रहवासियों ने जताई बाढ़ और बीमारियों की आशंका

मुंबईः मुंबई के गोवंडी इलाके में मॉनसून से पहले होने वाले नालों की सफाई (डिसिल्टिंग) में देरी को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर चिंता जताई है। रहवासियों का कहना है कि समय पर काम शुरू नहीं होने से इस साल बाढ़ और स्वास्थ्य संकट का खतरा बढ़ सकता है। जानकारी के अनुसार, एम-ईस्ट, एम-वेस्ट और एल वार्ड के कई बड़े नालों में अब तक जरूरी सफाई कार्य शुरू नहीं हुआ है, जबकि मॉनसून आने में बहुत कम समय बचा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

नगर निगम ने देरी के पीछे कई कारण बताए हैं, जिनमें ठेकेदारों की कमी, पिछले घोटालों की जांच के बाद प्रक्रिया में देरी और उपकरणों की चोरी जैसी समस्याएं शामिल हैं। साथ ही अधिकारियों ने यह भी कहा कि नालों में कचरा फेंकना भी एक बड़ी समस्या है, जिससे सफाई कार्य प्रभावित होता है। रहवासियों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहा है। इस मामले में एक कानूनी नोटिस भी भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि नालों की सफाई में लापरवाही नागरिकों के जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर पानी जमा हुआ तो मलेरिया, लेप्टोस्पायरोसिस और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। गोवंडी पहले से ही खराब स्वच्छता और जलभराव की समस्या से जूझता रहा है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नए ठेकेदारों की नियुक्ति के बाद जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा, लेकिन स्थानीय लोग अब भी स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

पनवेल महानगरपालिका का 'लोकशाही दिन': नागरिकों की शिकायतों का मौके पर समाधान, प्रशासन ने दिखाई तत्परता

पनवेल/नवी मुंबईः पनवेल महानगरपालिका द्वारा आयोजित 'लोकशाही दिन' पहल के तहत नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को सीधे प्रशासन से जोड़ना और उनकी शिकायतों का समयबद्ध निपटारा करना है। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उन पर तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर उनका समाधान किया गया, जिससे लोगों को राहत मिली।

इस पहल के दौरान नागरिकों ने पानी, सड़क, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित मुद्दे उठाए। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए समाधान की प्रक्रिया शुरू की। 'लोकशाही दिन' हर महीने के पहले सोमवार को आयोजित किया जाता है, जिससे नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो सके। इस व्यवस्था के तहत लोगों को अपनी शिकायत पहले से दर्ज करानी होती है और निर्धारित दिन पर उपस्थित होकर अपनी बात रखने का मौका मिलता है। प्रशासन का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रमों से न सिर्फ समस्याओं का जल्दी समाधान होता है, बल्कि शासन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ती है। नागरिकों ने भी इस पहल को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे उनकी आवाज सीधे अधिकारियों तक पहुंच रही है।

नासिक TCS केस: निदा खान को नहीं मिली अग्रिम जमानत, कोर्ट ने कहा–गंभीर और संगठित मामला

नासिकः टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज नासिक केस में आरोपी निदा खान को अदालत से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है, यह कहते हुए कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हिरासत में पूछताछ जरूरी है। इस केस में निदा खान पर सहकर्मी के साथ कथित यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और जबरन धर्म परिवर्तन कराने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह मामला सिर्फ एक घटना नहीं बल्कि संगठित तरीके से किए गए दबाव और प्रभाव का हिस्सा हो सकता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपी की भूमिका स्पष्ट दिखाई देती है और जांच के लिए उसकी कस्टोडियल इंटरोगेशन जरूरी है। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि मामले में पीड़िता को प्रभावित करने और ''ब्रेनवॉश''करने जैसी कोशिशों के संकेत मिले हैं। पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम इस पूरे मामले की जांच कर रही है, जिसमें कई FIR दर्ज की गई हैं और कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। यह मामला कार्यस्थल पर उत्पीड़न और धार्मिक दबाव जैसे गंभीर मुद्दों को उजागर करता है।

मीरा रोड 'लोन वुल्फ' अटैक केस: आरोपी जुबेर अंसारी पर UAPA लागू, ATS कस्टडी 11 मई तक बढ़ी

मुंबईः मीरा रोड में हुए सनसनीखेज 'लोन वुल्फ' हमले के मामले में जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी जुबेर अंसारी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम लागू कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की एंटी-टेररिज्म स्क्वाड कस्टडी को बढ़ाकर 11 मई तक कर दिया है। इस मामले में आरोपी पर आरोप है कि उसने मीरा रोड के एक निमार्णाधीन स्थल पर तैनात दो सुरक्षा गार्डों पर धारदार हथियार से हमला किया था। जांच में सामने आया कि हमले से पहले आरोपी ने गार्ड्स से उनकी धार्मिक पहचान के बारे में सवाल किए थे। प्राथमिक जांच में इस घटना को 'लोन वुल्फ' यानी अकेले अंजाम दिए गए हमले के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस और अळर को शक है कि आरोपी कथित तौर पर खुद ही कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित हुआ था और उसी के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया। जांच एजेंसियां अब आरोपी के डिजिटल रिकॉर्ड, संपर्कों और गतिविधियों की गहराई से जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसका किसी आतंकी संगठन से सीधा संबंध था या वह अकेले ही इस तरह की सोच से प्रभावित हुआ था। हमले में घायल दोनों सुरक्षा गार्डों का इलाज जारी है और मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की हर एंगल से जांच कर रही हैं। इस घटना ने मुंबई और आसपास के इलाकों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

मुंबई : सुनेत्रा पवार की रिकॉर्ड जीत, 2.18 लाख वोटों के ऐतिहासिक अंतर से बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

मुंबई : महाराष्ट्र की डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुनेत्रा पवार ने बारामती विधानसभा उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उन्होंने 2.18 लाख वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल कर न केवल क्षेत्र में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी नया रिकॉर्ड बना दिया है। चुनाव परिणामों के अनुसार, सुनेत्रा पवार की यह जीत अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है। उन्होंने लगभग 2.14 लाख वोटों के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड मार्जिन को भी पीछे छोड़ दिया है। इस जीत के साथ बारामती उपचुनाव का परिणाम राजनीतिक इतिहास में दर्ज हो गया है।

यह उपचुनाव इस वर्ष की शुरूआत में हुए एक प्लेन क्रैश में पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार के निधन के बाद कराया गया था। इस घटना के बाद खाली हुई सीट पर यह चुनाव हुआ, जिसे राजनीतिक और भावनात्मक दोनों

दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा था। चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह भारी जनादेश केवल राजनीतिक समर्थन ही नहीं, बल्कि एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव भी दशार्ता है। कई लोगों ने इस जीत को अजीत पवार की राजनीतिक विरासत के प्रति जनता की श्रद्धांजलि के रूप में भी देखा है।

उन्होंने आगे कहा कि वह जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगी और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देंगी। सुनेत्रा पवार ने यह भी कहा कि बारामती के लोगों ने जो विश्वास दिखाया है, वह उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी है। इस जीत के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। कई नेताओं ने इसे एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जनादेश बताया है, जबकि समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। कुल मिलाकर, बारामती उपचुनाव का यह परिणाम न केवल महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक रिकॉर्ड जीत के रूप में दर्ज हो गया है।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला: यौन अपराधियों को पैरोल पर रोक लगाने की तैयारी, मुख्यमंत्री फडणवीस के सख्त निर्देश

मुंबई/पुणे: महाराष्ट्र सरकार ने यौन अपराधों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कैबिनेट बैठक में निर्देश दिया है कि यौन अपराधों के आरोपियों को पैरोल (अस्थायी रिहाई) देने पर रोक लगाने के लिए नया कड़ा कानून तैयार किया जाए। सरकार का यह फैसला पुणे जिले के नसरापुर में एक बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले के बाद आया है, जिसने पूरे राज्य को झकझोर दिया। इस घटना के बाद कानून व्यवस्था और अपराधियों के

खिलाफ सख्ती को लेकर दबाव बढ़ गया था।

मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि आंकड़ों के अनुसार 80-90% यौन अपराधों के आरोपी ऐसे होते हैं जो पहले भी इसी तरह के मामलों में गिरफ्तार हो चुके होते हैं और पैरोल पर बाहर आने के बाद फिर से अपराध करते हैं। इसी वजह से सरकार इस loophole को बंद करना चाहती है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 2014-2019 के दौरान ऐसा ही एक कानून लागू किया गया था, लेकिन बाद में अदालत ने उसे रद्द कर दिया था। अब सरकार और ज्यादा मजबूत और कानूनी रूप से टिकाऊ कानून लाने की तैयारी में है, ताकि ऐसे अपराधियों को दोबारा मौका न मिले। सरकार का कहना है कि इस कदम से दोबारा अपराध करने की घटनाओं पर लगाम लगेगी और महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को मजबूत किया जा सकेगा।

चिंचवड स्टेशन के पास मेट्रो खंभे का ढांचा झुका, बड़ा हादसा टला

पिंपरी-चिंचवड: पुणे मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत चल रहे निर्माण कार्य के दौरान चिंचवड स्टेशन के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार, मेट्रो के खंभे (पिलर) का लोहे का ढांचा अचानक झुक गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना दोपहर के समय हुई, जब पिलर नंबर 413 का स्ट्रक्चर अचानक एक तरफ झुकने लगा। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्रेन की मदद से उसे संभाला और गिरने से बचा लिया। बताया जा रहा है कि

यह काम पिंपरी से निगडी तक के लगभग 4.41 किलोमीटर लंबे मेट्रो विस्तार प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जहां तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है और करीब आधा काम पूरा हो चुका है। घटना के दौरान आसपास यातायात चालू था, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर समय रहते स्थिति नियंत्रित नहीं होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि घटना के तुरंत बाद भी वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं दी गई। बाद में जब मीडिया ने पूछताछ की, तब मामला सामने आया। प्राथमिक तौर पर बताया गया है कि तेज हवा के कारण यह ढांचा असंतुलित हो गया था, लेकिन इस घटना ने मेट्रो निर्माण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ब्राजील में बड़ा विमान हादसा: उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद इमारत से टकराया प्लेन, 3 की मौत!

ब्राजील: दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के बेलो होरिजोंटे शहर में एक दर्दनाक विमान हादसा सामने आया है, जहां एक छोटा विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एक रिहायशी इमारत से जा टकराया। इस हादसे में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, विमान में कुल 5 लोग सवार थे। हादसे में पायलट और को-पायलट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन यात्रियों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से एक की बाद में मौत हो गई। यह विमान पाम्पुल्हा एयरपोर्ट से उड़ान भरकर साओ पाउलो जा रहा था, लेकिन टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद नियंत्रण खो बैठा और एक तीन मंजिला इमारत से टकरा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के दौरान जोरदार आवाज हुई और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान अचानक नीचे गिरता है और इमारत से टकरा जाता है, जिससे यह घटना और भी भयावह लगती है।

NESCO ड्रग डेथ केस: 2 आरोपी फिर पुलिस कस्टडी में, मुख्य सप्लायर से कनेक्शन की जांच तेज

मुंबई: गोरेगांव स्थित NESCO में हुए ड्रग ओवरडोज मौत मामले में जांच तेज हो गई है। अदालत ने दो आरोपियों को दोबारा पुलिस कस्टडी में भेज दिया है, ताकि मुख्य सप्लायर से उनके संबंधों की गहराई से जांच की जा सके। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ एक इवेंट तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा ड्रग सप्लाई नेटवर्क काम कर रहा हो सकता है। पुलिस अब मुख्य सप्लायर और अन्य आरोपियों के बीच संबंधों को जोड़ने की कोशिश कर रही है। इस केस की शुरूआत 11 अप्रैल को ठएरउड में हुए एक म्यूजिक इवेंट से हुई थी, जहां कथित तौर पर ड्रग्स लेने के बाद दो लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया और पूरे नेटवर्क की जांच शुरू की।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के जरिए ड्रग्स की सप्लाई चेन, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और संभावित अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की भी जांच की जा रही है। पहले भी इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और जांच लगातार आगे बढ़ रही है। यह मामला मुंबई में बड़े इवेंट्स के दौरान ड्रग्स के इस्तेमाल और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस अब पूरे रैकेट का खुलासा करने की दिशा में काम कर रही है।

पवई हिट एंड रन केस: 19 वर्षीय आरोपी को जमानत, अंधेरी कोर्ट का बड़ा फैसला

मुंबई: पवई में हुए हिट एंड रन मामले में 19 वर्षीय आरोपी को अंधेरी कोर्ट से जमानत मिल गई है। इस फैसले के बाद मामले ने फिर से तूल पकड़ लिया है और सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यह घटना जोगेश्वरी-विखरोली लिंक रोड (JVLR) के पास हुई थी, जहां तेज रफ्तार कार ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क पार कर रहे कई लोगों को कुचल दिया। हादसे में चार लोग घायल हुए थे, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई गई थी। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में उसने खुद पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। अब अंधेरी कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी है। हालांकि, इस फैसले को लेकर पीड़ित पक्ष और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है, ताकि सड़क हादसों पर लगाम लगाई जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई में बढ़ते हिट एंड रन मामलों के बीच ऐसे फैसले न्याय व्यवस्था और सड़क सुरक्षा पर नई बहस खड़ी कर सकते हैं।

संपादकीय...

पूर्ण विराम...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मोदी सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश को माओवाद से मुक्त करने का वादा किया था। यह तारीख आज एक इतिहास बनने जा रही है, क्योंकि तमाम संकेत यही बताते हैं कि मोदी सरकार ने अपना यह वादा करीब-करीब पूरा कर दिया है। करीब-करीब इसलिए, क्योंकि कोई भी समस्या अंकगणित का सवाल नहीं होती, जिसे हल करके उसका आखिरी जवाब निकाला जा सकता है। माओवाद के रूप में सरकारी तंत्र जिसे वामपंथी उग्रवाद कहता रहा है, दरअसल वह एक ऐसी विचारधारा से प्रेरित है जो मानती आई है कि कि सत्ता की राह बारूद से निकलती है। कुछ साल पहले तक माओवादी हिंसा का आतंक ऐसा था कि उसके सामने सरकारें लाचार दिखती थीं। दिनदहाड़े रेल पटरियां उड़ा देना, झीरन घाटी में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पूरे नेतृत्व का सफाया, बस्तर में 72 सीआरपीएफ जवानों को उड़ा देना मामूली घटनाएं नहीं कही जा सकतीं। उस दौर में देश के करीब एक तिहाई जिलों तक लाल आतंक का असर था। इस वजह से इन जिलों को आम प्रशासनिक भाषा में लाल गलियारा कहा जाता था। उसके लिए आंध्र के तिरुपति से लेकर नेपाल के पशुपति तक के क्षेत्र को प्रतीक के रूप में रेखांकित तक किया जाता था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जब मार्च 2026 तक देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने की समयसीमा तय की तो इसे लेकर संदेह भी जताए गए, पर केंद्र की दृढ़ इच्छाशक्ति और जीरो टालरेंस वाली नीति के परिणाम सबके सामने हैं। इस सफलता में राज्यों के सहयोग एवं समन्वय को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। केंद्र और राज्यों के बीच खुफिया जानकारियों को साझा करने के अलावा विभिन्न मोर्चों पर सहयोग ने सुरक्षा बलों को अधिक सक्षम बनाया। इसके जरिये माओवादियों से जुड़ी सटीक सूचनाएं हासिल कर उन्हें सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई ने खूंखार समझे जाने वाले माओवादी नेतृत्व को जहां आत्मसमर्पण के लिए तैयार किया, वहीं नई भर्तियों को हतोत्साहित किया। माओवादियों की मुख्यधारा में वापसी के बाद पुनर्वास के लिए अनुकूल नीतियां भी तैयार कीं। पुनर्वास योजनाओं से भविष्य के प्रति आश्वस्ति भाव ने भी माओवादियों के बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण में अहम भूमिका निभाई। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के चुनाव में ही भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में माओवाद के खात्मे का वादा किया था। सत्ता संभालने के बाद इस दिशा में प्रयास भी आरंभ हुए, लेकिन उसमें निर्णायक तेजी अमित शाह के गृहमंत्री बनने के बाद आई। इसका ही परिणाम रहा कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या जहां साल 2014 में 126 थी, जो 2025 में घटकर 11 ही रह गई। एक दशक पहले जहां माओवाद से 'सर्वाधिक प्रभावित' जिलों की संख्या 36 थी, वह घटकर केवल तीन रह गई है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : कलिना कैंपस में बस सेवा बहाली की मांग

मुंबई : यूनिवर्सिटी ने अपने कलिना कैंपस में इंटरनल बस सेवा को फिर से शुरू करने के लिए बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट से औपचारिक अनुरोध किया है। सुरक्षा कारणों से कुछ महीने पहले इस सेवा को आंशिक रूप से बंद कर दिया गया था, जिसके बाद से छात्रों को लगातार असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। पहले यूनिवर्सिटी परिसर के भीतर बसें नियमित रूप से चलती थीं, जिससे छात्रों और स्टाफ को बड़े कैंपस में आसानी से आवागमन की सुविधा मिलती थी। कलिना कैंपस का क्षेत्रफल काफी विस्तृत होने के कारण यह सेवा विशेष रूप से उपयोगी मानी जाती थी, क्योंकि इससे मुख्य विभागों, लाइब्रेरी और स्टडी सेंटर तक पहुंचना आसान हो जाता था।

हालांकि, मार्च महीने में सुरक्षा से जुड़ी कुछ चिंताओं के बाद इस व्यवस्था में बदलाव किया गया। एक पुराने रिसर्च स्कॉलर से जुड़े मामले के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर बसों के रूट में बदलाव करते हुए उन्हें केवल यूनिवर्सिटी गेट के बाहर तक ही सीमित कर दिया। इसके बाद से कैंपस के अंदर बस संचालन रोक दिया गया था। इस बदलाव के बाद पिछले लगभग चार महीनों से छात्रों ने लगातार असुविधा की शिकायतें दर्ज कराई हैं। छात्रों का कहना है कि अब उन्हें कैंपस के अंदर लंबी दूरी तक पैदल चलना पड़ता है, जिससे खासकर गर्मी और बारिश के मौसम में परेशानी बढ़ जाती है। इसके अलावा, मुख्य अध्ययन केंद्र और विभिन्न विभागों तक पहुंचने में भी समय अधिक लग रहा है।

छात्र संगठनों ने भी इस मुद्दे को उठाते हुए प्रशासन से बस सेवा बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि सुरक्षा के साथ-साथ छात्रों की सुविधा का भी ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि यह सेवा शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इन्हीं चिंताओं को देखते हुए मुंबई यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बेस्ट को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि कैंपस के भीतर पुरानी इंटरनल बस सेवा को फिर से शुरू किया जाए। यूनिवर्सिटी का मानना है कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखते हुए भी छात्रों की सुविधा को बहाल किया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, बेस्ट और यूनिवर्सिटी प्रशासन के बीच इस मुद्दे पर बातचीत जारी है। संभावना है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा के बाद एक संशोधित रूट या नियंत्रित संचालन के साथ बस सेवा को दोबारा शुरू किया जा सकता है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े विश्वविद्यालय परिसरों में इस तरह की परिवहन सुविधा छात्रों के लिए आवश्यक होती है, क्योंकि इससे न केवल समय की बचत होती है बल्कि शैक्षणिक गतिविधियों में भी सुगमता आती है। फिलहाल छात्रों की निगाहें यूनिवर्सिटी और बेस्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि कलिना कैंपस में इंटरनल बस सेवा कब तक फिर से शुरू हो पाएगी।

नालों की सफाई में देरी पर चिंता, मॉनसून से पहले बाढ़ और स्वास्थ्य संकट की आशंका

मुंबई : मॉनसून में सात सप्ताह से भी कम समय बचा है, ऐसे में मुंबई के गोवंडी इलाके के लोगों ने बड़े नालों की समय पर सफाई और डीसिल्टिंग न होने को लेकर गंभीर चिंता जताई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है किएम (ईस्ट), एम (वेस्ट) और एल वार्ड में आने वाले प्रमुख नालों की सफाई अभी तक पूरी नहीं हो सकी है, जिससे आगामी बारिश के दौरान बाढ़ और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का खतरा बढ़ सकता है। निवासियों ने आरोप लगाया है कि हर साल मॉनसून से पहले नालों की सफाई में देरी होती है, जिससे पानी भराव और जलजनित बीमारियों की समस्या बढ़ जाती है। इस बार भी स्थिति वैसी ही बनी हुई है, और समय रहते काम पूरा न होने पर गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दूसरी ओर, बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने इस स्थिति के लिए नागरिकों और औद्योगिक इकाइयों द्वारा नालों में कचरा फेंकने को जिम्मेदार बताया है। सॉलिड वेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों का कहना है कि नालों में लगातार घरेलू और औद्योगिक कचरा डाला जा रहा है, जिससे सफाई कार्य प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही विभाग ने बताया कि डीसिल्टिंग से जुड़े कथित गड़बड़ी मामलों की जांच के लिए बनाई गई विशेष जांच टीम की रिपोर्ट के बाद कई मुद्दे सामने आए हैं। रिपोर्ट में कॉन्ट्रैक्टर की तरफ से काम में लापरवाही और जरूरी उपकरणों की चोरी को भी देरी का एक बड़ा कारण बताया गया है।

अधिकारियों ने यह भी कहा है कि वर्तमान कॉन्ट्रैक्टर की भूमिका पर सवाल उठने के बाद नए कॉन्ट्रैक्टर की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जैसे ही नया कॉन्ट्रैक्टर नियुक्त होगा, डीसिल्टिंग का काम तेजी से शुरू किया जाएगा। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल अंतिम समय पर ऐसी कार्रवाई की जाती है, जिससे मॉनसून के दौरान स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। उन्होंने इटउ से मांग की है कि इस बार काम समय रहते पूरा किया जाए ताकि बाढ़ और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी आपात स्थिति से बचा जा सके। फिलहाल, गोवंडी और आसपास के इलाकों में लोग बारिश से पहले तैयारियों को लेकर आशंकित हैं और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं।

मुंबई लोकल के लिए नई ऑटोमैटिक डोर वाली नॉन-AC ट्रेन का ट्रायल शुरू

मुंबई : उपनगरीय रेलवे से रोजाना सफर करने वाले लाखों यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी चल रही है। हालांकि यह बदलाव अभी पूरी तरह से सेवा में शामिल नहीं हुआ है, लेकिन इसकी दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। ऑटोमैटिक दरवाजों वाली नई नॉन-एसी लोकल ट्रेन का परीक्षण अब उत्तर प्रदेश में किया जा रहा है। यह ट्रायल रेलवे की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाना और ट्रेन दुर्घटनाओं की संभावना को लगभग शून्य तक लाना है। भारतीय रेलवे लंबे समय से उपनगरीय ट्रेनों में सुरक्षा सुधार और आधुनिक तकनीक को लागू करने पर काम कर रहा है।

नई ट्रेन में ऑटोमैटिक डोर सिस्टम लगाया गया है, जिससे यात्रा के दौरान दरवाजे खुले रहने की समस्या खत्म हो जाएगी। मुंबई लोकल में अक्सर भीड़ और दरवाजों पर लटककर यात्रा करने की घटनाएं सामने आती हैं, जिनके कारण कई बार हादसे भी हो चुके हैं। ऐसे में यह तकनीक एक बड़ा बदलाव मानी जा रही है। मुंबई की भीड़भाड़ और व्यस्त रेल नेटवर्क को देखते हुए, रेलवे ने इस ट्रेन का ट्रायल सीधे शहर में करने के बजाय शांत रूट पर करने का निर्णय लिया है। इसके लिए खजुराहोझमहोबा रेल मार्ग को चुना गया है, जहां ट्रेनों की संख्या कम है और परीक्षण के लिए बेहतर परिस्थितियां उपलब्ध हैं।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस रूट पर ट्रायल करने से डेटा अधिक सटीक मिलेगा और तकनीकी समस्याओं को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा। कम ट्रैफिक होने के कारण परीक्षण में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी और सिस्टम के प्रदर्शन का सही मूल्यांकन किया जा सकेगा। इस परियोजना को भारतीय रेलवे के एक बड़े आधुनिकीकरण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और आधुनिक यात्रा अनुभव देना है। यदि यह ट्रायल सफल रहता है, तो भविष्य में ऐसी ट्रेनों को मुंबई लोकल नेटवर्क में शामिल किया जा सकता है। मुंबई जैसे शहर में जहां रोजाना लाखों लोग लोकल ट्रेनों पर निर्भर हैं, वहां इस तरह की तकनीक से यात्रा न केवल सुरक्षित होगी बल्कि अधिक व्यवस्थित भी बन सकती है। फिलहाल, रेलवे इस नई ट्रेन के प्रदर्शन पर लगातार नजर रखे हुए है और ट्रायल के नतीजों के आधार पर आगे की योजना तय की जाएगी।

महिलाओं को टारगेट करना बंद करो... राहुल गांधी से शादी की खबर पर फूटा बॉलीवुड क्वीन का गुस्सा

भड़कीं कंगना रनौत, कहा- फर्जी खबरें फैलाने वालों पर शर्म आती है

मुंबई। बॉलीवुड क्वीन बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने उन वायरल दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि 40 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा था कि अगर कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल होने का फैसला करते हैं तो वह उनसे शादी कर लेंगी। वायरल हो रही पोस्ट पर एक्ट्रेस-पॉलिटिशियन ने ऑनलाइन फैल रही अफवाहों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए गलत सूचना फैलाने वालों की आलोचना की। कंगना ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर इन खबरों को 'फर्जी खबर' बताते हुए खारिज कर दिया और राजनीति में महिलाओं को इस तरह की अफवाहों के जरिए निशाना बनाए जाने की आलोचना की। उन्होंने लिखा, 'यह फर्जी खबर कितनी घटिया है, राजनीति में भी महिलाओं के लिए कोई सम्मान नहीं, ऐसी फर्जी खबरें फैलाने वालों पर शर्म आती है।' यह पहली बार नहीं है जब कंगना रनौत ने पब्लिकली राहुल गांधी की आलोचना की है। इससे पहले अप्रैल 2026 में, उन्होंने उनके एक लोकसभा भाषण पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी और कहा था कि उन्हें सुनकर सिरदर्द हो गया था। कंगना ने उनके भाषण को "हंगामा" बताया था और कहा था कि वह संसद में जरूरी मुद्दों की बजाय अपनी निजी बातों पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। कंगना ने राहुल गांधी के भाषणों की तुलना 'जादू के शो' और 'स्टैंड-अप कॉमेडी' से की थी। इससे पहले उन्होंने यह भी दावा किया था कि भारतीय अर्थव्यवस्था को समझने के लिए कांग्रेस नेता को 'ट्यूशन' की जरूरत है।

इंटरनेट यूजर्स का रिएक्शन

इस बिना पुष्टि वाले दावे ने सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचा दी। लोग इस पर बहस करने लगे, मीम्स बनने लगे और अलग-अलग रिएक्शंस सामने आने लगे। कुछ लोगों ने इसे मजाक और राजनीतिक व्यंग्य माना, जबकि कई लोगों ने इसकी सच्चाई पर सवाल उठाए और बिना पुष्टि के ऐसी खबरें फैलाने की आलोचना की। अब तक इस कथित बयान का समर्थन करने वाला कोई विश्वसनीय स्रोत या सत्यापित साक्षात्कार सामने नहीं आया है। पोस्ट वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी। कुछ यूजर्स ने अफवाह का मजाक उड़ाया, वहीं अन्य ने कंगना का बचाव किया।

भाजपा-चुनाव आयोग के गठबंधन का नतीजा...

पश्चिम बंगाल में BJP की ऐतिहासिक जीत पर सुलगे संजय राउत

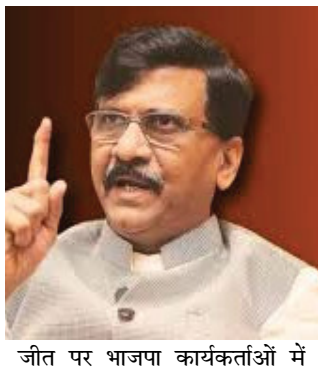

मुंबई। पश्चिम बंगाल चुनावों में पहली बार सत्ता तक पहुंची BJP की ऐतिहासिक जीत की पर भड़के उद्धव सेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत का अपेक्षित बयान आ गया है। उन्होंने अपने चिर परिचित लहजे में भाजपा पर तंज करते कसते कहा कि दीपक बुझने से ठीक पहले सबसे तेज जलता है और बंगाल जीतना भाजपा और एनडीए के पतन की शुरुआत है। राउत ने आरोप लगाया कि 30 से 35 मतदान केंद्रों पर वोटों की गिनती रोक दी गई और कई मतदान केंद्रों पर BJP कार्यकर्ता लूटपाट कर रहे हैं। राउत ने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी को हराना नामुमकिन था, लेकिन भाजपा और चुनाव आयोग के गठबंधन के कारण ये मुमकिन हो सका है। उन्होंने कहा कि भाजपा का पश्चिम बंगाल और असम में जीत के बाद भी देश चलाना आसान नहीं है। राउत ने कहा कि ये जीत सीधे रास्ते से नहीं मिली है। जिस तरीके से पश्चिम बंगाल में 92 लाख मतदाओं के नाम काटे गए यह उसका परिणाम है।

ममता का खेल खत्म...
अहंकार चूर- नवनीत राणा

पश्चिम बंगाल की प्रचंड जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। इस जीत के बाद बीजेपी नेता नवनीत राणा ने ममता बनर्जी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने आज यह साबित कर दिया है कि वे देश के साथ हैं। राणा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इतने वर्षों बाद ममता बनर्जी का खेल खत्म हो गया है। उन्होंने भगवा विचारधारा का महत्व बताते हुए कहा कि जो भी सनातन का विरोध करेगा, जनता उसे नकार देगी। उनके अनुसार, ममता बनर्जी का अहंकार ही उनकी हार का मुख्य कारण बना है। भाजपा प्रदेश कार्यालय और नगर निगम कार्यालय में महिला पार्षदों ने रसगुल्ले बांटकर और 'जय श्री राम' के नारों के साथ जीत मनाई।

रेलवे के एक्शन पर बॉम्बे हाईकोर्ट की मुहर

बांद्रा ईस्ट में जारी रहेगी ट्रैक के पास स्थित झोपड़ों को हटाने की कार्रवाई

मुंबई। मुंबई के बांद्रा ईस्ट स्थित गरीब नगर में सभी अवैध और अनधिकृत ढांचों को हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रेलवे को तोड़क कार्रवाई जारी रखने की अनुमति दे दी है। रेलवे की यह कार्रवाई पहले ही चल रही है। कई लोगों ने इस पर रोक लगाने की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग को अदालत ने अनसुना कर दिया। रेलवे द्वारा की जा रही तोड़फोड़ की कार्रवाई को अदालत ने जायज ठहराया है और इसे जारी रखने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने साफ किया है कि अगस्त 2021 में हुए सर्वेक्षण (सर्वे) में चिह्नित पात्र झुग्गीवासियों को बेघर न किया जाए और उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। रेलवे ट्रैक के पास के उन अवैध ढांचों को हटाया जा रहा है, जिन्हें अतिक्रमण के रूप में पाया गया है। इस मामले में अगली सुनवाई 8 जुलाई 2026 को होनी है। सुप्रीम कोर्ट ने बांद्रा के भारत नगर में 44 एकड़ क्षेत्र में पुनर्विकास की मंजूरी दी है, जिससे 7,000 से ज्यादा परिवारों का पुनर्वास होगा। महाराष्ट्र में पहले पुनर्विकास परियोजनाओं के लिए झुग्गीवासियों की सहमति जरूरी थी, लेकिन अब सरकार इसे हटा लिया है। अब प्रशासन बिना झुग्गीवासियों की अनुमति लिए विकास कार्य शुरू कर सकता है और झुग्गियों को उनकी जगह से हटा सकता है। इससे बांद्रा सहित मुंबई भर में परियोजनाओं की गति तेज हो गई है। पश्चिमी रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस के पास की अवैध बस्तियों को ध्वस्त कर वहां फेंसिंग शुरू कर दी है।

करंट लगने से बच्चे की मौत, बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप

ठाणे : ठाणे जिले के वागले एस्टेट स्थित इंदिरा नगर इलाके में सोमवार रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें छह साल के एक बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। अधिकारियों के मुताबिक, बच्चा अपने घर के पास खेल रहा था, तभी वह एक चॉल के पास मौजूद खुले बिजली के तारों के संपर्क में आ गया। जैसे ही वह तारों के झुंड के पास पहुंचा, उसे तेज करंट लग गया और वह मौके पर ही बेहोश हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि ये खुले तार महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से जुड़े हुए थे, जो राज्य की सरकारी बिजली वितरण कंपनी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तारों को सुरक्षित तरीके से कवर या ढंका नहीं गया था, जिससे यह हादसा हुआ। घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा फैल गया और उन्होंने मौके पर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने आरोप लगाया कि इलाके में बिजली के तार लंबे समय से इस तरह खुले पड़े थे, लेकिन संबंधित विभाग ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर समय रहते इन तारों को ठीक किया जाता, तो यह हादसा टाला जा सकता था। लोगों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बांद्रा में बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या

सड़क किनारे पेशाब करने से रोका तो ले ली जान, आरोपी अरेस्ट

मुंबई। मुंबई के बांद्रा इलाके में सड़क किनारे पेशाब करने से रोकने पर भड़के शख्स ने 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला की जान ले ली। इस मामले में खेरवाडी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 44 वर्षीय भानुदास कांबले के रूप में हुई है। उसे अदालत में पेश कर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मृत महिला की पहचान सौभाग्यम्मा काठीम्युनर के तौर पर हुई है, जो धारावी के शाहूनगर इलाके में रहती थी। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 7 बजे स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि बांद्रा स्थित आरएनए बिल्डिंग के पास फुटपाथ पर एक बुजुर्ग महिला अचेत अवस्था में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही खेरवाडी पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले ने उस वक्त गंभीर रूप लिया जब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि महिला के सिर और माथे पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया था, जिसके बाद गला दबाकर उनकी हत्या की गई। इसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी। पुलिस की जांच के दौरान फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति घटना स्थल के पास पेशाब करते हुए दिखाई दिया। तकनीकी विश्लेषण और निगरानी के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह काम से लौटते वक्त सड़क किनारे पेशाब कर रहा था। इसी दौरान फुटपाथ पर सो रही महिला ने उसे रोका, जिससे नाराज होकर उसने पास पड़ी ईंट से महिला के सिर पर हमला किया और बाद में गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

पीजी में कमरा बंद कर किशोर को डंडे से पीटा, लहूलुहान लड़का बेहोश

नई दिल्ली (एजेंसी) पिटाई के वीडियो भी बनाए गए। डंडे के वार से किशोर लहुलुहान हो गया फिर भी आरोपी नहीं माने और कपड़े उतरवाए और फिर पीटते हुए वीडियो बनाया। नोएडा सेक्टर-66 मामूरा स्थित एक पीजी में तीन युवकों ने एक किशोर को कमरे में बंधक बनाया। फिर डंडे व गैस की पाइप से बेरहमी से पीटा। पिटाई के वीडियो भी बनाए। डंडे के वार से किशोर लहुलुहान हो गया फिर भी आरोपी नहीं माने और कपड़े उतरवाए और फिर पीटते हुए वीडियो बनाया। किशोर के साथ आरोपी करीब 10 मिनट तक मारपीट करते रहे। आखिर में पिटाई से किशोर बेहोश हो गया तब आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़ित का इलाज चल रहा है उसके दोस्त की शिकायत पर पुलिस ने फेज-3 थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मामूरा गांव में रहने वाला एक किशोर आठवीं में पढ़ता है। वह पड़ोस के पीजी में देखभाल का भी काम करता है। उसके एक दोस्त का शनिवार को जन्मदिन था। किशोर ने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर पीजी में जन्मदिन मनाया। किशोर पीजी में रात करीब तीन बजे आराम कर रहा था, जबकि तीन दोस्त चौथे दोस्त को सेक्टर-53 गिझौड़ गांव छोड़ने चले गए थे। इसी बीच मामूरा के रहने वाले विनेश, वंश, कृष्णा नाम के युवक गलत इरादे से पीजी में आ धमके। आवाज सुनकर किशोर ने टोका तो तीनों नाराज हो गए। दो युवकों ने किशोर को गैस के पाइप और डंडे से पीटना शुरू कर दिया। सिर व कान के पास डंडे लगने से किशोर लहूलुहान हो गया। किशोर के पिता ने बताया दोस्त के माध्यम से घटना का पता चला। दोस्त के मुताबिक तीनों आरोपित चोरी भी करते हैं। डीसीपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित के दोस्त की शिकायत पर तीनों युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

रेलवे सिग्नलिंग में लगेगा फ्यूज ऑटो चेंजओवर सिस्टम, ट्रेनों की लेटलतीफी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी) रेलवे परियोजना के तहत विभिन्न स्टेशनों, ऑटो हट्स और रिले हट्स पर फ्यूज ऑटो चेंजओवर सिस्टम लगाएगा। यह सिस्टम सिग्नलिंग में इस्तेमाल होने वाले फ्यूज के खराब होने पर अपने आप दूसरे फ्यूज पर स्विच कर जाएगा। इससे सिग्नलिंग में कोई बाधा नहीं आएगी। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों के संचालन को अधिक सुचारु बनाने के लिए संकेत प्रणाली (सिग्नलिंग सिस्टम) को आधुनिक बनाया जाएगा। इसके तहत सिग्नलिंग नेटवर्क को तकनीकी रूप से मजबूत किया जाएगा। इससे किसी भी तरह की तकनीकी खराबी के दौरान सिस्टम को तुरंत सक्रिय हो सकेगा और ट्रेनों की लेटलतीफी में भी कमी आएगी। उत्तर रेलवे लगातार अपने नेटवर्क को डिजिटल और स्वचालित बनाने की दिशा में काम कर रहा है। यह परियोजना उसी कड़ी का हिस्सा है। जिसमें तकनीक के माध्यम से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने और दुर्घटनाओं को कम करने पर जोर दिया जा रहा है। अब इन आधुनिक उपकरणों से ट्रेनों का संचालन ज्यादा सुरक्षित होगा। रेलवे परियोजना के तहत विभिन्न स्टेशनों, ऑटो हट्स और रिले हट्स पर फ्यूज ऑटो चेंजओवर सिस्टम लगाएगा। यह सिस्टम सिग्नलिंग में इस्तेमाल होने वाले फ्यूज के खराब होने पर अपने आप दूसरे फ्यूज पर स्विच कर जाएगा। इससे सिग्नलिंग में कोई बाधा नहीं आएगी। अक्सर देखा जाता है कि फ्यूज खराब होने पर सिग्नलिंग सिस्टम ठप हो जाता है। फिर ट्रेनों को रोकना पड़ता है और देरी होती है। डिजिटल मॉनिटरिंग से मिलेगी रियल टाइम जानकारी नई व्यवस्था में सिग्नलिंग मेंटेनेंस मैनेजमेंट सिस्टम (एमएमएमएस) के लिए डेटा एंट्री डिवाइस भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके तहत कर्मचारियों को टैबलेट और लैपटॉप दिए जाएंगे। सिग्नलिंग सिस्टम की निगरानी और डेटा रिकॉर्डिंग ऑनलाइन की जा सकेगी। इस डिजिटल व्यवस्था से रेलवे को रियल टाइम में जानकारी मिलेगी कि किस स्थान पर क्या समस्या है और उसे तुरंत ठीक किया जा सकेगा। 4.19 करोड़ से एक साल में पूरा होगा काम रेलवे ने प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 12 महीने की समयसीमा तय की है। इसकी अनुमानित लागत करीब 4.19 करोड़ रुपये के निर्धारित की गई है। इसका काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, ताकि यात्रियों और संचालन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

नई दिल्ली केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आर्य समाज अशोक विहार फेज-1, दिल्ली के सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य की अध्यक्षता में सौल्लास संपन्न हुई। बैठक में निश्चय हुआ कि आगामी ग्रीष्मावकाश में युवा पीढ़ी को मातृ-पितृ भक्त,ईश्वर भक्त व देश भक्त निर्माण करने का अभियान चलाया जाएगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज चरित्रवान,संस्कारित, सुसंस्कारित युवाओं का निर्माण करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।आज वृद्धाश्रम खुल रहे हैं यह चिंता का प्रश्न है कि नई पीढ़ी में माँ बाप की सेवा भावना में कमी आयी है।उन्होंने विशाल आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर शनिवार,30 मई से शनिवार 6 जून 2026 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-44, नोएडा में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के 200 युवक लिए जायेंगे उन्हें योगासन,दंड बैठक, लाठी,जुडो कराटे,बॉक्सिंग व आत्म रक्षा शिक्षण दिया जायेगा व वैदिक संस्कृति की जानकारी दी जायेगी।शिक्षाविद डा. अमिता चौहान वा डा. अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में यह शिविर चलेगा।इसके साथ ही देश के विभिन्न स्थानों पर भी शिविर लगेंगे व युवा संस्कार अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि गाजियाबाद से 50 युवक सम्मिलित होंगे व सम्भव सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक का कुशल संचालन राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई ने करते हुए सबसे सहयोग की अपील की। राष्ट्रीय संघठन मंत्री सौरभ गुप्ता गाजियाबाद ने बताया कि परिषद को कार्य करते हुए 48 वर्ष होने जा रहे हैं। प्रमुख रूप से सुरेश आर्य,त्रिलोक आर्य,यज्ञवीर चौहान, ओम सपरा, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, अरुण आर्य,अशोक जागिड़,योगेन्द्र शास्त्री गोपाल आर्य,संतोष शास्त्री,जीवन लाल आर्य,सतीश शास्त्री,राधा कांत शास्त्री,मोहित आर्य,जय आर्य आदि ने विचार व्यक्त किये।

विषय: ग्राम सोरखा, सेक्टर-115 में खतरनाक ट्रांसफार्मर को हटाने की मांग पर प्रशासन ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली ग्राम सोरखा, सेक्टर-115, नोएडा में खतरनाक स्थिति में रखे हुए विद्युत ट्रांसफार्मर को हटवाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) का एक प्रतिनिधिमंडल (डेलिगेशन) सेक्टर-16 स्थित विद्युत विभाग (UPPCL) के मुख्य अभियंता (चीफ साहब) से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने ट्रांसफार्मर की खतरनाक स्थिति से संबंधित सभी तथ्य विस्तार से रखे एवं मौके की फोटोग्राफ्स भी प्रस्तुत किए। मुख्य अभियंता ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल प्रभाव से संबंधित अधिकारियों को ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) के प्रदेश अध्यक्ष परविन्दर सिंह यादव ने ज्ञापन के माध्यम से यह भी मांग रखी कि घनी आबादी एवं विद्यालय के समीप स्थित इस ट्रांसफार्मर को शीघ्रातिशीघ्र हटाकर सुरक्षित स्थान (मुख्य मार्ग के बाहर) स्थापित किया जाए, जिससे किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे – ,सोनू यादव प्रदेश संगठन मंत्री जिला अध्यक्ष गौतम बुद्ध , सुंदर यादव यादव,रविंद्र यादव (प्रदेश सचिव),मुमताज खान (प्रदेश उप सचिव),गौरव कुमार (प्रदेश सचिव),शिवम पंडित (नोएडा महानगर अध्यक्ष, युवा मोर्चा) सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। परविंदर सिंह यादव प्रदेश अध्यक्ष ने भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि जनहित को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ कई जगह बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली-एनसीआर में देर रात शुरू हुआ बारिश का सिलसिला तेज हवाओं के साथ जारी है। नोएडा में बारिश के साथ बिजली भी चमक रही है। दिल्ली-एनसीआर में कई जगह हुई बारिश-बूंदाबांदी ने शाम की गर्म हवाओं की तासीर बदल दी है। रात 12 बजे के आसपास शुरू हुई बारिश ने एक बार फिर गर्मी पर विराम लगाने का काम किया है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए बारिश का अनुमान जताया भी था। आज के लिए यलो अलर्ट भी जारी है। दिल्ली-एनसीआर में देर रात शुरू हुआ बारिश का सिलसिला तेज हवाओं के साथ जारी है। नोएडा में बारिश के साथ बिजली भी चमक रही है। कठिन; झुलसने से शवों की हालत हुई दिल्ली-एनसीआर के मौसम में देर रात अचानक बदलाव देखने को मिला। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में तेज हवाएं चल रही हैं। एनसीआर में बारिश भी हुई। दिल्ली के कुछ हिस्सों में मध्यम (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) से लेकर गंभीर गरज के साथ तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा, 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है, साथ ही बिजली गिरने, ओलावृष्टि और तेज आंधी के साथ मध्यम बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिन के दौरान अधिकतम तापमान में 3-5 गिरावट और उसके बाद 3-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। साथ ही, पिछले 24 घंटों में दिल्ली में दक्षिण-पूर्वी हवाएं 10-15 किमी प्रतिघंटा की गति से चलीं, जो बढ़कर किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गईं। दिल्ली में 4 से 9 मई के बीच मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। 4 मई को अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री और न्यूनतम 23-25 डिग्री के बीच रहने की संभावना है, दिनभर बादल छाए रहेंगे और सुबह व दोपहर व शाम के समय हल्की बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं 60-70 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। इसको लेकर मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। 6 मई से सूरज दिखाएगा तेवर वहीं, 5 मई को भी बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच हल्की बारिश के एक-दो दौर आ सकते हैं, हालांकि हवाओं की रफ्तार अपेक्षाकृत कम रहेगी। 6 मई को तापमान बढ़कर 36-38 डिग्री तक पहुंच सकता है, आंशिक बादलों के बीच दोपहर में गरज के साथ मौसम बदलने की संभावना है। इसके अलावा, 7 और 8 मई को मौसम सामान्यतः आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा और तापमान 37-39 डिग्री के आसपास बना रहेगा। वहीं, 9 मई को मौसम साफ रहने के साथ गर्मी बढ़ेगी और अधिकतम तापमान 38-40 डिग्री तक पहुंच सकता है।

‘कभी प्यार था, अब गुस्सा है...’ विजय देवरकोंडा के साथ इस Romantic इंटेंस कहानी का हिस्सा बनेंगी कृति सेनन ?

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। कृति सेनन और विजय देवरकोंडा को लेकर नई अटकलों ने सबका ध्यान खींचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डायरेक्टर शौर्यव के आने वाले, अभी तक बिना नाम वाले प्रोजेक्ट में लीड एक्ट्रेस के तौर पर कृति सेनन के नाम पर विचार किया जा रहा है। मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स ने फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए कृति सेनन से संपर्क किया है। कहा जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है, जिसमें कई इंटरनेशनल टेक्नीशियन काम कर रहे हैं। हालांकि अभी ऑफिशियल अनाउंसमेंट बाकी है लेकिन अगर सबकुछ सही रहा तो हमें कृति और विजय की फ्रेश जोड़ी पर्दे पर देखने को मिलेगी।

अप्रैल में विजय देवराकोंडा ने घोषणा की थी कि उनकी अगली फिल्म को जाने-माने डायरेक्टर शौर्यव डायरेक्ट करेंगे, जिससे फैन्स बहुत खुश हुए। विजय ने यह अनाउंसमेंट अपने Instgrm पेज पर लिखा, ‘मेरी अगली फिल्म है - VDxShouryuv. उस टीम से मिलवा रहा हूं जो इस मुश्किल फिल्म को बनाने का चुनौतीपूर्ण काम कर रही है। मुझे बहुत खुशी है कि यह जबरदस्त ग्लोबल टीम शौर्यव की बेमिसाल कल्पना और गहरे जज्बे के साथ इस फिल्म पर काम कर रही है’।

सेलिना जेटली नालंदा की खुदाई वाली किताब में डूबीं, भाई और पति ने किया किनारा, तलाश रहीं पुरानी पहचान

हिंदी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस सेलिना जेटली इन दिनों अपनी प्रफेशनल लाइफ से दूर अपनी पर्सनल लाइफ और मानसिक सुकून पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव, मानसिक शांति और अपने पुराने दिनों को याद किया। एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घर पर एक सोफे पर हाथ में किताब लिए हुए बैठी हुई हैं। एक्ट्रेस ने लिखा, ‘एक महिला के तौर पर हम अक्सर घर बनाने और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि खुद को ही भूल जाते हैं। ठीक होने की प्रक्रिया कभी शोर-शराबे वाली नहीं होती न ही कोई बड़ी जीत लेकर आती है, बल्कि कभी-कभी यह बस एक शांत दिन और एक गहरी सांस लेने के बारे में होती है।’ एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट पर पालतू कुत्ते का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ‘शादी के बाद मैं अपने सारे कुत्तों को पीछे छोड़ आई थी। उस बिछड़ने का दर्द कई वर्षों से मेरे दिल में चुपचाप बसा हुआ है। शायद किसी दिन मुझे फिर से एक छोटा सा कुत्ता मिल जाए।’ सेलिना ने आखिर में बताया कि फिलहाल वे अपनी शांति एक कप कॉफी, अपनी पसंदीदा किताब और ढीली पजामा’ में बिताए गए वक्त में ढूंढ रही हैं। उन्होंने बताया, ‘मैं अभी नालंदा की खुदाई पर लिखी एक किताब पढ़ रही हूं और छोटे-छोटे पलों के जरिए खुद को बेहतर बना रही।’ सेलिना जेटली ने ‘जानशीं’ से बॉलीवुड में शुरुआत की थी और ‘नो एंट्री’ व ‘गोलमाल रिटर्न्स’ जैसी फिल्मों में काम किया। आर्मी बैकग्राउंड (पिता कर्नल) से आने वाली सेलिना शादी के बाद ऑस्ट्रिया में बस गई थीं। फिलहाल एक्ट्रेस भारत आ गई हैं और अपनी जिंदगी की नई शुरुआत में जुटी हैं। यहां बता दें कि सेलिना जेटली के भाई पूर्व मेजर विक्रांत जेटली ने यूएई (UAE) में हिरासत में रहने के दौरान अपनी बहन से किसी भी प्रकार की कानूनी मदद लेने और संपर्क रखने से इनकार कर दिया है। वहीं इस वक्त अपनी शादीशुदा लाइफ के भी कठिन दौर से गुजर रही हैं। सेलिना ने हाल ही में बताया कि उनके पति पीटर हाग ने 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्हें गिफ्ट के रूप में तलाक का नोटिस दिया। सेलिना का आरोप है कि उन्हें उनके तीनों बच्चों (विंस्टन, विराज और आर्थर) से दूर कर दिया गया है।

दीपिका पादुकोण की मुरीद हुईं संजय दत्त की बेटी, बताया बॉलीवुड में क्यों आना चाहती हैं...

संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त इंडिया में नहीं रहती हैं. उन्होंने अमेरिका में अपनी एक अलग ही दुनिया बसा ली है. उन्होंने हमेशा से ही बॉलीवुड से दूरी बना रखी है. त्रिशाला ने अपना सोशल मीडिया अकाउंट भी प्राइवेट कर रखा है. हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वो बॉलीवुड में आना चाहती हैं. लेकिन, इसके पीछे का उनका मकसद एक्टिंग नहीं बल्कि कुछ और ही है. साथ ही इस दौरान उन्हें दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा की तारीफ करते हुए भी देखा गया. इनसाइड थॉट्स आउट लाउड पॉडकास्ट में त्रिशाला दत्त ने कहा कि बचपन में वो सोचा करती थीं कि बॉलीवुड ज्वाइन करेंगी. साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि बॉलीवुड से वो इसलिए नहीं जुड़ना चाहती थीं कि उन्हें एक्टिंग करती है. बल्कि, वो अपने डैड संजय दत्त के पास रहना चाहती थीं, उसके साथ टाइम स्पेंड करना चाहती थीं. त्रिशाला ने बताया कि उनके पिता संजय दत्त ने भी उन्हें काफी कुछ सजेस्ट किया था.

संजय दत्त ने उनसे कहा था कि वो बॉलीवुड फैमिली से ताल्लुक रखती हैं तो इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि वो बड़ी एक्ट्रेस बन जाएंगी और उन्हें फिल्मों का ऑफर मिलने लगेंगे. त्रिशाला ने इस पॉडकास्ट के दौरान मेंटल हेल्थ के बारे में भी खुलकर बात की थी.

उन्होंने कहा कि दीपिका पादुकोण ने जब मेंटल हेल्थ को लेकर खुलासा किया था तो उनपर बहुत प्राउड फील हुआ था. वो थेरापिस्ट भी इसलिए बनी कि लोगों को बता सके कि वो अकेले नहीं हैं. त्रिशाला ने इस दौरान बताया कि वो बॉलीवुड से ताल्लुक रखती हैं लेकिन उन्होंने कभी भी किसी को मेंटल हेल्थ के बारे में बात करते हुए नहीं देखा. वो इसके जरिए लोगों से जुड़ना चाहती थीं. मालूम हो 1987 में संजय दत्त ने ऋचा शर्मा संग शादी की थी. ऋचा ने 1988 में बेटी त्रिशाला को जन्म दिया था. हालांकि, बहुत कम उम्र में ऋचा ने दुनिया को अलविदा कह दिया. उन्हें ब्रेन ट्यूमर था. ऐसे में 1996 में उनका निधन हो गए. त्रिशाला अपनी सौतेली मां मान्यता दत्त और सौतेले भाई-बहन के संग भी शानदार बॉन्ड शेयर करती हैं.

WhtsApp पर अपने ही गंदे वीडियो देखकर दंग रह गई ‘पापी गुड़िया’ एक्ट्रेस, पूनम दासगुप्ता ने दर्ज कराई शिकायत

‘पापी गुड़िया’ एक्ट्रेस पूनम दासगुप्ता ने मुंबई की ओशिवारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें एक अनजान WhtsApp नंबर से अश्लील वीडियो और न्यूड तस्वीरें भेजी गई हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना 27 अप्रैल को शाम करीब 6:30 बजे हुई, जब वह अपने घर पर थीं। दासगुप्ता, जिन्होंने फिल्मों और टीवी से अपने करियर की शुरुआत की, ने बताया कि इन मैसेज को देखकर वह सदमे में आ गईं और उन्हें मानसिक रूप से काफी तनाव हुआ। उन्होंने पुलिस को उन मैसेज के स्क्रीनशॉट सौंप दिए हैं, जिसके बाद पुलिस ने भेजने वाले का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार दासगुप्ता ने अपने पति से इस मामले पर चर्चा करने के बाद पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने 29 अप्रैल को ओशिवारा पुलिस स्टेशन में औपचारिक रूप से अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने ‘भारतीय न्याय संहिता’ के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उस अनजान WhtsApp नंबर के पीछे छिपे व्यक्ति की पहचान करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अश्लील सामग्री मिलने के बाद उन्होंने सबसे पहले उस नंबर पर कॉल करने की कोशिश की, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उन्होंने भेजने वाले को ब्लॉक कर दिया और अपने परिवार को इस घटना के बारे में जानकारी दी। दासगुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उस व्यक्ति ने उनकी कुछ पुरानी तस्वीरें भी फैला दी हैं।

जुहू जमीन विवाद में दो मामलों का एकीकरण नहीं, लेकिन साथ में सुनवाई के निर्देश

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को मुंबई के जुहू इलाके की एक महत्वपूर्ण जमीन से जुड़े लंबे समय से चल रहे दो सिविल मामलों को एक साथ जोड़ने (क्लब करने) से इनकार कर दिया है। हालांकि अदालत ने यह स्पष्ट किया कि दोनों मामलों की सुनवाई एक साथ की जाएगी ताकि अलग-अलग और विरोधाभासी फैसलों की संभावना से बचा जा सके। यह आदेश जस्टिस जितेंद्र जैन की पीठ ने मेटियोर एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर एक अंतरिम आवेदन पर सुनवाई के दौरान दिया। यह आवेदन 2015 में दायर केस से जुड़ा था, जिसमें कंपनी ने 2008 में वीनस हैबिटेट द्वारा दायर एक पुराने मामले के साथ इसे क्लब करने की मांग की थी।

दोनों मामलों का संबंध अंधेरी के जुहू इलाके में स्थित 3,040 वर्ग मीटर के एक भूखंड से है, जिस पर मालिकाना हक को लेकर विवाद चल रहा है। इस जमीन पर दो अलग-अलग पक्षों द्वारा अधिकार का दावा किया जा रहा है, जिसके चलते वर्षों से कानूनी लड़ाई जारी है। मेटियोर एस्टेट्स ने अदालत में दलील दी कि दोनों मामलों का आधार एक ही संपत्ति है और लगभग वही पक्ष इसमें शामिल हैं, इसलिए न्यायिक प्रक्रिया को सुचारु बनाने और एक समान निर्णय सुनिश्चित करने के लिए दोनों मामलों को एक साथ जोड़ा जाना चाहिए। कंपनी के वकील ने यह भी तर्क दिया कि 2008 के मामले में अंतिम और प्रभावी आदेश तभी संभव होगा जब 2015 वाले मामले को भी साथ में सुना जाए।

हालांकि हाई कोर्ट ने दोनों मामलों को पूरी तरह से एकीकृत करने की मांग को स्वीकार नहीं किया, लेकिन यह निर्देश दिया कि दोनों मामलों की सुनवाई एक साथ की जाए। अदालत का मानना है कि इससे न्यायिक प्रक्रिया में समन्वय बना रहेगा और किसी भी प्रकार के परस्पर विरोधी फैसलों की स्थिति से बचा जा सकेगा। यह मामला मुंबई की उन कई लंबित संपत्ति विवादों में से एक है, जो वर्षों से अदालतों में विचाराधीन हैं और जिनमें बड़ी जमीनों के मालिकाना हक को लेकर जटिल कानूनी सवाल उठते रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, हाई कोर्ट का यह फैसला प्रक्रियात्मक संतुलन को बनाए रखते हुए न्यायिक दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल मामलों की सुनवाई में तेजी आने की उम्मीद है, बल्कि एक ही संपत्ति से जुड़े विवादों में निर्णयों की स्थिरता भी बनी रहेगी।

नेस्को ड्रग ओवरडोज केस: 4,000 एक्स्टसी गोलियों की सप्लाई में तीन आरोपी पुलिस कस्टडी में

मुंबई : चर्चित नेस्को ड्रग ओवरडोज मामले में बोरीवली मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दो आरोपियों को पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है। कोर्ट ने आरोपी विनीत गेरेलानी और आयुष साहित्य को 8 मई तक पुलिस हिरासत में रखने की अनुमति दी है, जबकि मामले के मुख्य सप्लायर मार्क उर्फ महेश खेमलानी को पहले से ही 6 मई तक पुलिस कस्टडी में रखा गया है। यह पूरा मामला लगभग 4,000 एक्स्टसी गोलियों की कथित सप्लाई से जुड़ा हुआ है, जिसने शहर में ड्रग्स नेटवर्क को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

वनराई पुलिस ने अदालत में दलील दी कि गेरेलानी और साहित्य, जो पहले न्यायिक हिरासत में थे, उनसे मुख्य आरोपी खेमलानी के साथ आमने-सामने पूछताछ की जरूरत है ताकि सप्लाई चेन और नेटवर्क को पूरी तरह समझा जा सके। पुलिस ने इस आधार पर उनकी पुलिस कस्टडी की मांग की। हालांकि, बचाव पक्ष ने इस मांग का विरोध करते हुए कहा कि पुलिस की रिमांड अर्जी में कोई नया आधार नहीं है और पहले ही पूछताछ पूरी हो चुकी है। बचाव पक्ष का तर्क था कि बार-बार कस्टडी मांगना कानून के दायरे में उचित नहीं है।

यह मामला 11 अप्रैल को गोरेगांव ईस्ट स्थित नेस्को सेंटर में आयोजित '999999999 टेक्नो कॉन्सर्ट' के बाद सामने आया था। इस कार्यक्रम के बाद दो एमबीए छात्रों की संदिग्ध मौत हुई थी, जिसमें प्रारंभिक जांच में एक्स्टसी ओवरडोज की आशंका जताई गई थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच तेज की और ड्रग सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने के लिए कई स्तरों पर छानबीन शुरू की। जांच के दौरान ही इस सप्लाई चेन से जुड़े आरोपियों की पहचान हुई और गिरफ्तारी की गई। पुलिस का कहना है कि यह नेटवर्क सिर्फ एक इवेंट तक सीमित नहीं हो सकता और इसके पीछे बड़े ड्रग सिंडिकेट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने पुलिस को सीमित अवधि की कस्टडी दी है ताकि आगे की जांच को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

दिनदहाड़े महिला पर हमला, सामने आए वीडियो ने गुस्सा भड़का दिया...

मुंबई : मलाड के मालवणी से एक परेशान करने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर नशे में धुत एक आदमी दिनदहाड़े एक महिला पर हमला कर रहा है। इससे शहर में गुस्सा और पब्लिक सेफ्टी को लेकर चिंता बढ़ गई है। वायरल वीडियो में दिनदहाड़े हमला दिखाया गया है, वायरल क्लिप में एक बिजी सड़क पर आरोपी और एक महिला के बीच गरमागरम बहस होती है, जबकि कई लोग खड़े होकर देख रहे हैं। कुछ ही पलों में, मामला बिगड़ जाता है क्योंकि माना जा रहा है कि नशे में धुत आदमी हिंसक हो जाता है और महिला पर हमला करना शुरू कर देता है। वह उसे कई बार मुक्के मारता और थप्पड़ मारता हुआ दिख रहा है, जबकि वह खुद को बचाने की कोशिश कर रही है।

जैसे ही हमला होता है, पास में खड़ी एक और महिला बीच-बचाव करती है, हमलावर पर चिल्लाती है और उसे चेतावनी देती है कि उसकी हरकतें रिकॉर्ड की जा रही हैं। स्थिति थोड़ी देर के लिए बदल जाती है जब आरोपी अपना गुस्सा दूसरी महिला की ओर मोड़ देता है। वह उस पर धमकाने और धमकी देने के अंदाज में हमला करता हुआ दिख रहा है, ऐसा लगता है कि वह घटना को रिकॉर्ड करने की उसकी कोशिश से नाराज है। इस अफरा-तफरी के बीच, एक राहगीर बीच में आता है और दूसरी औरत को झगड़े से दूर खींच लेता है, जिससे बात और नहीं बढ़ती। फिर आरोपी को मौके से दूर जाते हुए देखा जाता है, और फिर वह भागने लगता है, और वीडियो खत्म हो जाता है।

यह फुटेज तब से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खूब शेयर हो रही है, जिस पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस हमले की बेशर्मी और राहगीरों के तुरंत दखल न देने की बुराई की है। अभी तक, आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं मिली है। अधिकारियों ने यह भी साफ नहीं किया है कि वह आदमी और जिस औरत पर हमला हुआ था, वे एक-दूसरे को जानते थे या यह घटना पूरी तरह से अचानक हुई थी।

दौंड : 9 साल की बेटी की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

दौंड : तहसील के देउलगांव राजे गांव में रविवार दोपहर एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को हिला दिया है। एक 33 साल के व्यक्ति को अपनी ही 9 साल की बेटी की हत्या के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शांताराम चव्हाण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह वारदात हनुमान वस्ती स्थित उसके घर में लगभग दोपहर 3 बजे हुई। आरोप है कि शांताराम ने अपनी बेटी अनामिका की बेरहमी से हत्या कर दी। शुरूआती जांच में सामने आया है कि उसने पेड़ काटने वाली मशीन जैसे धारदार उपकरण का इस्तेमाल

कर बच्ची को गंभीर रूप से घायल किया। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर सबूत मिटाने की कोशिश भी की। उसने बच्ची के शव को साड़ी में लपेटकर आग लगा दी। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में गुस्सा और दुख का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की क्रूर वारदात ने गांव को झकझोर दिया है। लोग लगातार घटना को लेकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस की शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अपनी बेटी के स्कूल के रिजल्ट से नाराज था। मृतक अनामिका कक्षा 4 की छात्रा थी। हाल ही में उसने अपने बड़े भाई संस्कार (10 वर्ष) के साथ अपना परीक्षा परिणाम देखा था। इसी बात को लेकर घर में तनाव की स्थिति बनी हुई थी, जो बाद में इस दर्दनाक घटना में बदल गई। अधिकारियों के अनुसार, मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि सबूतों को इकट्ठा किया जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के पीछे मानसिक स्थिति या कोई और वजह तो नहीं थी।

मुंबई : मुंबई पुलिस ने फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट मामलों की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का किया गठन

मुंबई : पुलिस ने शहर में जाली डॉक्यूमेंट्स से मिले कथित नकली बर्थ सर्टिफिकेट से जुड़े मामलों की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है, अधिकारियों ने मंगलवार, 5 मई को यह जानकारी दी। शहर के सिविक अधिकारियों ने पाया है कि 2024 और 2026 के बीच ऑफिशियल रिकॉर्ड्स में हेराफेरी करके कथित तौर पर 87,000 से ज्यादा बोगस बर्थ सर्टिफिकेट जारी किए गए थे। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इसी तरह के फर्जी रजिस्ट्रेशन की बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के बाद

जांच शुरू की। अधिकारी ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए, मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती ने मिले अपराधों और शिकायतों की पूरी जांच के लिए SIT बनाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि SIT को जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) हेड करेंगे और इसमें क्राइम ब्रांच, स्पेशल ब्रांच और डिटेक्शन यूनिट्स के सीनियर अधिकारी शामिल होंगे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com